निर्णय की प्रमाणित प्रति पेश की। (प्रदर्श-2) तथा बेचाननामा दिनांक 20/12/24 पेश किया (प्रदर्श-3) उक्त समस्त साक्ष्य को शामिल पत्रावली किया गया। वकील प्रतिवादी ने साक्ष्य प्रतिवादी नहीं करवाने हेतु निवेदन किया। जिसे स्वीकार किया गया। पत्रावली वास्ते बहस 9/10/25 को पेश हो।

9/10/25 पत्रावली प्रस्तुत। वकुलाय उपस्थित। दौराने बहस वकील वादी ने वाद पत्र में वर्णित तथ्यों का दोहराव किया। वकील प्रतिवादी ने सहमति जाहिर की। पत्रावली वास्ते निर्णय 13/10/25 को पेश हो।

13/10/25 पत्रावली प्रस्तुत। वकुलाय उपस्थित। बहस पर मनन किया गया। पत्रावली पर उपस्थित दस्तावेजों का अवलोकन किया गया। वादी का वाद पत्र स्वीकार किया गया। निर्णय पृथक से टंकन होकर शामिल पत्रावली हो। पत्रावली फैसल शुमार होकर दाखिल दफ्तर हो।